19 वीं -20 वीं शताब्दी में सामाजिक धार्मिक आंदोलन

सामाजिक - धार्मिक आंदोलन और संगठन

वर्ष	जगह	संगठन का नाम	संस्थापक
1815	कलकत्ता	आत्मीय सभा	राजा राम मोहन राय
1828	कलकत्ता	ब्रह्मो समाज	राजा राम मोहन राय
1829	कलकत्ता	धर्म सभा	राधाकांत देव
1839	कलकत्ता	ततवबोधिनी सभा	देबेंद्रनाथ टैगोर
1840	पंजाब	निरंकारी	दयाल दास, दरबारा सिंह, रतन चंद आदि।
1844	सूरत	मानव धर्म सभा	दुर्गाराम मंचराम
1849	बंबई	परमहंस मंडली	दादोबा पांडुरंग
1857	पंजाब	नामधारी	राम सिंह
1861	आगरा	राधा स्वामी सत्संग	तुलसी राम
1866	कलकत्ता	भारत का ब्रह्म समाज	केशब चंद्र सेन
1866	देवबंद	दर - उल - उलूम	मौलाना हुसैन अहमद
1867	बंबई	प्रार्थना समाज	आत्माराम पांडुरंग
1875	बंबई	आर्य समाज	स्वामी दयानंद सरस्वती
1875	न्यूयॉर्क (यूएसए)	थियोसोफिकल सोसायटी	मैडम एच.पी. ब्लावात्स्की और कर्नल एच.एस. Olcott
1878	कलकत्ता	साधारण ब्रह्मो समाज	आनंद मोहन बोस
1884	पुणे (पूना)	डेक्कन एजुकेशन सोसायटी	जी. जी. अगरकर
1886	अलीगढ़	मुहम्मडन शैक्षिक सम्मेलन	सैयद अहमद खान

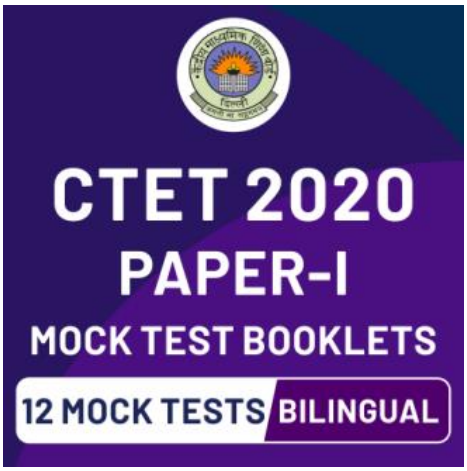

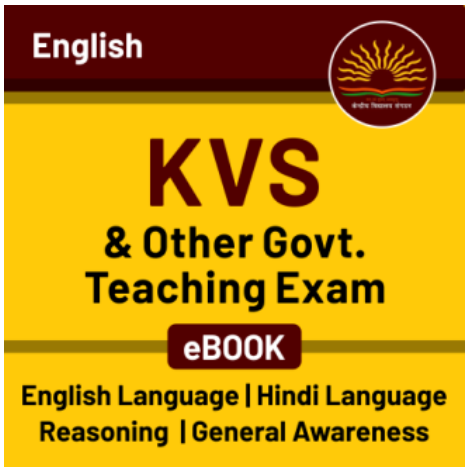

वर्ष	जगह	संगठन का नाम	संस्थापक
1887	बंबई	भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन	एम.जी. रानाडे
1887	लाहौर	देव समाज	शिवनारायण अग्निहोत्री
1894	लखनऊ	नदवाह - उल - उलमा	मौलाना शिब्ली नुमानी
1897	बेलूर	रामकृष्ण मिशन	स्वामी विवेकानंद
1905	बंबई	भारतीय समाज के सेवक	गोपाल कृष्ण गोखले
1909	पुणे (पूना)	पूना सेवा सदन	श्रीमती रमाबाई रानाडे और जी.के. Devadhar
1911	बंबई	सामाजिक सेवा लीग	एन एम जोशी
1914	इलाहाबाद	सेवा समिति	एच एन कुंजरु

महत्वपूर्ण सामाजिक - धार्मिक सुधारक

स्वामी सहजानंद (1781 - 1830): उनका मूल नाम ज्ञानश्याम है। उन्होंने स्वामीनारायण संप्रदाय की स्थापना की और एक गुजरात निर्धारित किया, जो आस्तिक ईश्वर में विश्वास करता था और अपने अनुयायियों के लिए नैतिक संहिता निर्धारित करता था.

राजा राम मोहन रॉय (1772 - 1833): उनका जन्म 1772 में बर्दवान जिले (पश्चिम बंगाल) के राधानगर में हुआ था। उन्होंने हिंदू समाज में एकेश्वरवाद और सुधारों का प्रचार करने के लिए 1815 में कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। 1828 में आत्मीय सभा को ब्रह्म सभा और अंत में ब्रह्म समाज का नाम दिया गया। उन्होंने 1819 में अपनी पत्रिका सबद कौमुदी के माध्यम से सती के उन्मूलन के लिए आंदोलन चलाया.

देबेंद्रनाथ टैगोर (1817 - 1905): उन्होंने राजा रामधन रॉय के बाद ब्रह्म समाज का नेतृत्व संभाला। उन्होंने 1839 में तत्त्वबोधिनी सभा की स्थापना की और राजा राममोहन राय के विचारों का प्रचार करने के लिए एक मासिक रूप से तत्त्वबोधिनी पत्रिका प्रकाशित की। 1859 में, तत्त्वबोधिनी सभा को ब्रह्म समाज के साथ जोड़ दिया गया। उन्होंने उपनिषदों से चुनिंदा मार्ग संकलित किए, जिन्हें ब्रह्म धर्म के रूप में जाना जाता है.

केशव चंद्र सेन (1838 - 1884): वे देवेंद्रनाथ टैगोर की अनुपस्थिति में ब्रह्म समाज के नेता थे। उन्होंने महिलाओं के लिए एक पत्रिका बामबोधिनी पत्रिका शुरू की। उन्होंने कट्टरपंथी सुधारों का शुभारंभ किया, जैसे कि जाति के नाम, अंतर-जाति और विधवा पुनर्विवाह और बाल विवाह के खिलाफ आंदोलन शुरू किया। मूल ब्रह्म समाज को आदि ब्रह्म समाज के रूप में जाना जाता है और दूसरा, भारत का ब्रह्म समाज जिसे 1866 में केशव चंद्र सेन द्वारा स्थापित किया गया था। सेन ने 1870 में भारतीय सुधार संघ का गठन किया, जिसने ब्रिटिश विवाह को लागू करने के लिए ब्रिटिश सरकार को राजी किया। 1872 का अधिनियम (जिसे सिविल मैरिज एक्ट के रूप में जाना जाता है) ब्राह्म विवाह को वैधता प्रदान करता है और लड़कों और लड़कियों के लिए न्यूनतम विवाह योग्य आयु को तय करता है.

आत्माराम पांडुरंग (1823 - 1898): उन्होंने 1867 में बंबई में प्रथना समाज की स्थापना की। एम.जी. 1870 में रानाडे इसमें शामिल हुए।

स्वामी दयानंद सरस्वती (1824 - 1883): स्वामी दयानंद सरस्वती, जिन्हें मूल रूप से मूला शंकर के नाम से जाना जाता है, ने 1875 में बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश हिंदी में और वेद भाष्य भूमिका (आंशिक रूप से हिंदी में और आंशिक रूप से संस्कृत में) लिखीं।

ब्लावात्स्की (1831 - 91) और ओल्कोट (1832 - 1907): मैडम एच.पी. ब्लावात्स्की, एक रूसी महिला और कर्नल एच.एस. ऑलकोट, एक अमेरिकी, ने 1875 में न्यूयॉर्क में थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना की, लेकिन 1882 में मद्रास के पास अड्यार को सोसायटी का मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया.

स्वामी विवेकानंद (1863 - 1902): स्वामी विवेकानंद (मूल रूप से नरेंद्रनाथ दत्ता) ने 1887 में एक सामाजिक सेवा लीग के रूप में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जिसे 1897 में ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत किया गया था.

निम्न जाति / जाति के आंदोलन और संगठन

आंदोलन / संगठन	**वर्ष**	जगह	संस्थापक
सत्यशोधक समाज	1873	महाराष्ट्र	ज्योतिबा फुले
अरविप्पुरम आंदोलन	1889	अरविप्पुरम, केरल	श्री नारायण गुरु
श्री नारायण धरम परिपलाना योगम (S. N. D. P.) आंदोलन	1902 - 03	केरल	श्री नारायण गुरु, डॉ. पलपु और कुमारन आसन
उदास वर्ग मिशन समाज	1906	बंबई	वी आर शिंदे
बहुजन समाज	1910	सतारा, महाराष्ट्र	मुकुंदराव पाटिल
न्याय (पार्टी) आंदोलन	1915 - 16	मद्रास, तमिलनाडु	सी.एन मुदलियार, टी.एम. नायर और पी। त्यागराज चेट्टी
अवसादग्रस्त वर्ग कल्याण संस्थान (बहिश्त हितकारिणी सभा)	1924	बंबई	बी आर अम्बेडकर
स्व - सम्मान आंदोलन	1925	मद्रास, तमिलनाडु	ई वी रामास्वामी नाइकर पेरियार
हरिजन सेवक संघ	1932	पुणे	महात्मा गांधी